प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART - 4 आई एम कलाम के बहाने

(एक दिन रणविजय को उसके स्कूल में भाषण देने --------------------------- मंज़िल मिलती है ।)

1. नए शब्द –

* भाषण - പ്രസംഗം * परेशान होना – दुखी बनना വിഷമിക്കുക * प्रथम पुरस्कार पाना - ഒന്നാം സമ്മാനം നേടുക * कारिंदे – सेवक
* तलाशी लेना – अन्वेषण करना പരിശോധന നടത്തുക * चीज़ों को पाना - സാധനങ്ങൾ കിട്ടുക * चोरी – മോഷണം
* आरोप – इल्ज़ाम കുററാരോപണം * आरोप लगाना – इल्ज़ाम लगाना, दोष लगाना കുററാരോപണം നടത്തുക
* झूठा आरोप - തെററായ ആരോപണം * प्रण तोडना – प्रतिज्ञा का लंघन करना വാക്ക് തെററിക്കുക * सज़ा – दंड ശിക്ഷ
* तय करना – निश्चय करना തീരുമാനിക്കുക * दोस्ती – मित्रता സൗഹൃദം * चिट्ठी – पत्र, खत * सीधे - നേരേ * सफलता – विजय
* हमनाम – समान नाम का ഒരേ പേരുള്ള * अकेले निकलना - ഒററയ്ക്ക് പുറപ്പെടുക * रास्ता – राह വഴി * अंत में - ഒടുവിൽ
* मुश्किलें - संकटें പ്രയാസങ്ങൾ * मंज़िल मिलना - लक्ष्य प्राप्त करना ലക്ഷ്യം നേടുക * सपना साकार होना - സ്വപ്നം യാഥാർത്ഥ്യമാവുക

2. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. परेशान होना – दुखी बनना 2. तलाशी लेना – अन्वेषण करना 3. आरोप लगाना – इल्ज़ाम लगाना
4. तय करना – निश्चय करना 5. प्रण तोडना – प्रतिज्ञा का लंघन करना 6. मंज़िल मिलना - लक्ष्य प्राप्त करना

3. विशेषण शब्द लिखें ।

1. प्रथम पुरस्कार – प्रथम 2. अच्छा-सा भाषण - अच्छा-सा 3. झूठे आरोप – झूठे

4. हम – से जुडे शब्द और अर्थ

1. हमनाम – समान नामवाला	2. हमउम्र – समान उम्रवाला	3. हमअसर – समान असरवाला
4. हमख्याल – समान मतवाला	5. हमजोली – समान ओहदेवाला	6. हमजिंस – समान जाति का
7. हमपेशा – समान काम करनेवाला	8. हम मज़हब – समान धर्म का	9. हम वतन – समान देश का
10. हम शक्ल – समान आकार का		

5. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. फिल्म के अंत में कलाम क्या तय करता है ?
   वह अपनी चिट्ठी सीधे अपने हमनाम डॉ. कलाम को दिल्ली जाकर खुद देगा ।
2. कलाम चोरी का आरोप क्यों सह जाता है ?
   उसके मन में दोस्ती को ऊँचा स्थान है ।
3. राणा सा के कारिंदे कलाम पर चोरी का आरोप क्यों लगाते हैं ?
   वे कलाम के घर की तलाशी लेने आते समय वहाँ कुँवर रणविजय की चीज़ों को पाने से ।
4. भाषण देने केलिए कहने पर रणविजय क्यों परेशान हो गया?
   क्योंकि उसकी हिंदी इतनी अच्छी नहीं थी । हाथ में चोट लगने से वह लिख नहीं सकता । ऐसे हो तो वह ट्रॉफी नहीं जीत पाएगा ।
5. रणविजय हिंदी भाषण में प्रथम पुरस्कार पाता है । कैसे
   कलाम द्वारा लिखित भाषण स्कूल में प्रस्तुत करने से
6. किसने भाषण प्रतियोगिता में रणविजय की सहायता की
   कलाम ने
7. छोटू ने रणविजय की दोस्ती के बारे में राणा-सा के कारिंदे से नहीं बताया । क्यों
   दोस्ती का प्रण न तोडने केलिए और रणविजय को राणा से उससे की दोस्ती की सज़ा मिलने से बचाने केलिए
8. राणा के कारिंदे ने छोटू पर चोरी का आरोप का आरोप लगाने पर भी छोटू ने उसका सहन किया । क्यों
   दोस्ती का प्रण न तोडने केलिए और रणविजय को राणा से उससे की दोस्ती की सज़ा मिलने से बचाने केलिए वह ऐसा करता है ।
9. ‘ लेकिन छोटू सिर्फ छोटू होकर नहीं जीना चाहता ।‘- इससे आपने क्या समझा ?
   चाय की दूकान में काम करनेवाला होने पर भी छोटू की आकांक्षाएँ बडी हैं । टीवी में देखे राष्ट्रपति कलाम जी का भाषण सुनकर, उनसे प्रभावित होकर वह अपना नाम कलाम रख देता है । स्कूल की अच्छी शिक्षा पाकर डॉ. कलाम जैसा बडा आदमी बनना उसका सपना है ।
10. ‘ लेकिन कलाम फिर कलाम है ’- लेखक के इस प्रस्ताव पर अपना विचार लिखें ।
   राणा सा के कारिंदे कलाम पर चोरी का आरोप लगाने पर भी मित्र रणविजय से की दोस्ती का प्रण न तोडने केलिए वह उसको सह लेता है । रणविजय को राणा से उससे की दोस्ती की सज़ा मिलने से बचाने केलिए वह ऐसा करता है । अभावों में रहने पर भी कलाम दोस्ती को ऊँचा स्थान देनेवाला होने से लेखक ऐसा कहते हैं ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRIPS ph 9567122545

11. टिप्पणी - कलाम के की चरित्रगत विशेषताएँ

' नील माधव पांडा ' की ' आई एम कलाम ' फिल्म का नायक है छोटू उर्फ कलाम । चाय की दूकान में काम करनेवाले कलाम का सपना था - स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालोंवाला राष्ट्रपति कलाम सा बनना । एक अलग जीवन, बेहतर जीवन का सपना दिखाने से कलाम को स्कूल जाना बहुत पसंद था । वह सबकुछ जल्दी से सीखनेवाला था तथा जीवन की कठिनाइयों को हराकर बडे आदमी बनने की आशा रखनेवाला एक ईमानदार लडका भी । घुडसवारी सीखने और पेड पर चढना सिखाने के लेन देन को लेकर रणविजय के साथ उसकी दोस्ती हो जाती है । अंग्रेज़ी सीखने में रणविजय उसकी मदद करता है तो कलाम रणविजय को हिंदी । स्कूल के हिंदी भाषण प्रतियोगिता केलिए भाषण तैयार करने में कलाम रणविजय की सहायता भी करता है । दोस्ती को ऊँचा स्थान देने से अपने ऊपर चोरी का आरोप लगाने पर अपने मित्र को बचाने केलिए वह उस आरोप को सह लेता है । राष्ट्रपति कलाम जी से मिलने वह गाँव छोडकर दिल्ली तो पहुँचता है पर उनसे मिल न सकता । अंत में अपने दोस्त के साथ स्कूल जाकर पढने में वह सफल बनता है ।

12. टिप्पणी - रणविजय की चरित्रगत विशेषताएँ

नील माधव पांडा की आई एम कलाम फिल्म का नायक छोटू उर्फ कलाम का साथी था रणविजय । वह ढाणी के राणा का बेटा था । अमीर होने की कोई भाव उसमें नहीं था । परीक्षा का डर दिखाकर भयभीत करने से उसे स्कूल जाना पसंद नहीं था । पेड पर चढना सीखना और घुडसवारी सिखाने का लेन-देन को लेकर कलाम के साथ उसकी दोस्ती होती है । वह हिंदी में थोडा पीछा है । कलाम की सहायता से वह स्कूल के हिंदी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार का ट्रॉफी जीत लेता है । कलाम की किताबों को जला दिया जाने पर वह उसे अपनी किताबें देता है । वह कलाम को अंग्रेज़ी सीखने में मदद भी करता है । इस प्रकार हम उसमें अच्छे मित्र को देख पाते हैं ।

13. रपट तैयार करें (स्कूल के भाषण प्रतियोगिता में रणविजय को प्रथम स्थान मिला)

भाषण प्रतियोगिता: रणविजय को प्रथम स्थान

स्थान : ----------------------- कल जैसलमेर के सरकारी हाईस्कूल में भाषण प्रतियोगिता चलाई गई । इसमें ढाणा के राणा का बेटा कुँवर रणविजय को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । पुरस्कार प्राप्ति के बाद उसने कहा कि अपने दोस्त कलाम ने यह भाषण तैयार किया था । इसलिए पुरस्कार उसकेलिए है । कुँवर की हिन्दी अच्छी न होने से कलाम उसकी मदद की थी । यह पुरस्कार प्राप्ति रणविजय और कलाम के बीच की दोस्ती की अनूठी निशानी भी है । पुरस्कार वितरण स्कूल के प्रधानाध्यापिका ने किया। ढाणी में कुँवर के विजय पर खुशी मनाई गई ।

14. समाचार (रपट) – ' आई एम कलाम ' नामक फिल्म में छोटू का सपना साकार होने के बारे में

गरीब बालक का सपना पूरा हुआ

स्थान : .... चाय की दुकान में काम करनेवाला एक गरीब बालक का सपना पूरा हुआ । छोटू उर्फ़ कलाम का सपना था - स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालोंवाले राष्ट्रपति कलाम-सा बनना । स्कूल में पढाई करने के लिए उसको बडा शौक था । चाय की दूकान में काम करते समय विदेशी टूरिस्ट लूसी मैडम से परिचय हुआ, उन्होंने छोटू को दिल्ली ले जाने का वादा किया था । लेकिन छोटू अकेला ही दिल्ली गया । रास्ते में बहुत मुश्किलें हुईं । अंत में कलाम जी से मिला । कलाम जी ने छोटू की पढाई के लिए सहायता करने का वादा किया । छोटू कलाम जी से बहुत आभारी है ।

15. कलाम की डायरी (फिल्म के अंत में कलाम का सपना साकार हो जाता है ।)

तारीख: ....

आज अपनी पसंद के स्कूल में मेरा पहला दिन । मेरा सपना साकार हो गया। स्कूल बस में मित्र रणविजय के साथ स्कूल गया । स्कूल यूनीफॉर्म पर टाई बाँधकर हम दोनों साथ –साथ चले । क्लास में उसके साथ बैठकर पढा। स्कूल की बात माँ से कहने पर वे भी खुश हुई । याद आया, चाय की दूकान में काम करते समय लफ्टन से रूठता था । लूसी मैडम ने मुझे दिल्ली ले जाकर कलाम जी से मिलवाने का वादा दिया था । चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली पहुँचा था । लेकिन कलाम जी से मिल न सका । पर मेरी चिट्ठी कलाम जी तक जरूर पहुँचेगी । सब सपने जैसे लग रहे हैं आज ! भाटीसा आजकल बहुत खुश दिखते हैं । अपनी पढाई का खर्चा मैं खुद उठाऊँगा । अच्छी तरह पढ-लिखकर मैं कलाम जी जैसा बडा आदमी बनूँगा ।

16. रणविजय की डायरी

तारीख: ....

आज कलाम की मदद से मुझे भाषण में प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला । सभी लोगों ने मेरी तारीफ की । लेकिन मेरे मन में उसका चेहरा था । मुझे मालूम है मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं थी । इस भाषण के बारे में बताते वक्त उसने झट से एक अच्छा-सा भाषण लिखकर दिया था । वह भाषण कितना आकर्षक था । दूसरों की खुशी चाहनेवाला उसका मन कितना बडा है ! पर क्या करूँ ? ट्रॉफी लेकर उसे दिखाने आया तो पता चला कि वह चोरी के आरोप में गाँव छोडकर दिल्ली गया है । मैं दुख सह न पाया । सच में मुझे बचाने केलिए उसने वह चोरी का आरोप सह लिया था । दोस्ती को इतना ऊँचा स्थान देनेवाले मित्र को मैं कैसे खोऊँ ? मेरे पापा से सच बताने पर उन्होंने कलाम को ढूँढकर लाने की अनुमति दे दी । कल मैं उसकी तलाश में दिल्ली जाऊँगा । वापस आकर उसे भी मेरे स्कूल में भर्ती कराना है । ऐसे हम एक साथ स्कूल बस में स्कूल जाएँगे । वह कितना खुश होगा ! उसकी मंज़िल की पूर्ति करना अब मेरा ही दायित्व है ।

SREEJITH R. KOVOOR VAKKALA, SCRIUS ph 9581024545

17. कलाम की डायरी (राणा के कारिंदे ने उसपर चोरी के आरोप लगाने से वह दुखी होकर)

तारीख : ....

आज मेरेलिए दुखी दिन था । आज ढाणी के राणा के कारिंदे मेरे घर में आए । यहाँ तलाशी लेने पर उनको कुँवर रणविजय की चीज़ें मिली । ये चीज़ें मेरेलिए रणविजय ने ही दी थी । लेकिन राणा के कारिंदे ने मुझपर चोरी का आरोप लगाया । मुझे उनसे सज़ा मिली । मैंने नहीं बताया कि ये चीज़ें रणविजय ने मुझे दी हैं । यह बताएँ तो रणविजय को मेरी दोस्ती के नाम पर दंड मिलेगा । इसलिए मैं चुपके से दंड स्वीकार किया । मैं कुँवर रणविजय की दोस्ती छूटना नहीं चाहता हूँ । आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगा ।

18. रणविजय का पत्र (भाषण प्रतियोगिता जीतकर आने पर उसके मित्र को देख न पाया)

स्थानः ....

तारीखः ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से, एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ ।

तुमको मेरा दोस्त कलाम को याद है न ? आज उसके हाथों से लिखे भाषण से मुझे स्कूल के भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला । ट्रॉफी लेकर उसे दिखाने आया तो पता चला कि वह चोरी के आरोप पर गाँव छोडकर दिल्ली गया है । मैं दुख सह न पाया। सच में मुझे बचाने वह चोरी का आरोप सह लिया था । दोस्ती को इतना ऊँचा स्थान देनेवाला उसे मैं कैसे खोऊँ ? मेरे पापा से सच बताने पर उन्होंने मुझे कलाम को ढूँढकर लाने की अनुमति दे दी । कल मैं उसकी तलाश में दिल्ली जाऊँगा ।

तुम्हारी पढाई कैसे चल रही है ? वहाँ तुम्हें कलाम जैसा कोई मित्र है क्या ? तुम्हारे माँ बाप से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता ।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

19. कलाम का पत्र (अपनी परेशानी, चोरी का आरोप)

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए मैं अब यह पत्र भेज रही हूँ ।

यहाँ पर मेरा एक मित्र है जिसका नाम है रणविजय । वह राणा के कारिंदे मेरे घर की तलाशी लेने आये थे । कुँवर रणविजय की कुछ चीज़े मेरे घर से मिलीं और इससे मेरे ऊपर चोरी का आरोप लगाया गया । पर मैंने इस आरोप के सामने अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोडा । मैं चोरी का आरोप सह लेता था, पर रणविजय से हुई दोस्ती के बारे में नहीं बताया । इस प्रकार बहुत परेशानियाँ का अनुभव महसूस करते हुए पिछले हफ्ता चला गया ।

पता नहीं, कब मुझे अपने पसंदीता स्कूल जाकर पढने का अवसर मिलेगा ? मुझे मिलने तुम कब यहाँ आओगे ? जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता ।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

20. कलाम के नाम रणविजय का पत्र

स्थान : ....

तारीख : ....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । तुम्हारी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए मैं अब यह पत्र भेज रहा हूँ ।

तुम्हारी मदद से आज मुझे भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला । सभी लोगों ने मेरी तारीफ की । लेकिन मेरे मन में तुम्हारा चेहरा था । मुझे मालूम है मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं थी । इस भाषण के बारे में बताते वक्त तुमने झट से एक अच्छा-सा भाषण लिखकर दिया था । वह भाषण कितना आकर्षक था । दूसरों की खुशी चाहनेवाला तेरा मन कितना बडा है कलाम । मैं तुम्हारा आभारी हूँ । एक दिन तुमसे मिलने आऊँगा ।

वहाँ तुम्हारी पढाई कैसे हो रही है ? तुम कब यहाँ आओगे ? परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

सेवा में,
नाम
पता ।

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

21. छोटू उर्फ कलाम ने राष्ट्रपति डॉ.कलाम को देने लिखा पत्र

जैसलमेर
06 जून 2019

आदरणीय राष्ट्रपति साहब,

नमस्कार । आप कैसे हैं ? आशा है आप वहाँ कुशल से हैं । मैं आपसे अपनी मंज़िल बताना चाहता हूँ । मैंने अपनी चिट्ठी में थोडी लिखी है, पर बहुत समझना । चिट्ठी को तार समझकर जल्दी जवाब देना ।

मैं ढाणी के एक थडी में काम करनेवाला एक बच्चा हूँ , जिसकी जिंदगी आपने बदल दी । मेरा नाम छोटू है ,लेकिन मैं अपने को कलाम मानता हूँ । मुझे छोटू अच्छा नहीं लगता । टीवी में आपका भाषण सुना । कितना अच्छा था । मैं समझता हूँ कि हर बच्चा लाल बहादुर शास्त्री बन सकता है और राष्ट्रपति कलाम भी बन सकता है । मैं आप जैसे बनना चाहता हूँ । लेकिन मैं बडा गरीब हूँ । मुझे स्कूल जाने की इच्छा है, मेरे मित्र रणविजय के साथ । लूसी मैडम ने आपसे मिलवाने का वादा किया था ।

मुझे आपसे बहुत -सी बातें करनी हैं । मालूम है आपको बच्चे बहुत पसंद हैं । पढ-लिखकर मुझे आपके जैसा होना है । इसलिए कृपया आप मेरी मदद कीजिए । बस इतना ही कहना है और हाँ ... धन्यवाद भी बोलना है ।

आपका आज्ञाकारी छात्र
कलाम (छोटू)

सेवा में
डॉ. अब्दुल कलाम
राष्ट्रपति
दिल्ली

22. कलाम का पत्र (अपनी सफलता के बारे में)

स्थान : ……………….
तारीख : ……………….

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ कुशलता से हूँ । परीक्षा की तैयारी में होंगे ? एक खुशी की बात बताने केलिए यह पत्र लिखता हूँ ।

आज मेरेलिए अविस्मरणीय दिन है । वर्षों से होनेवाला मेरा सपना आज सफल हुआ । मेरी इच्छा थी कि दिल्ली जाकर कलाम जी से मिलना । विदेशी टूरिस्ट लूसी मैडम ने मुझसे कहा था कि वे मुझे दिल्ली ले जाएँगी । कलाम जी से मिलने का अवसर भी देगी । उस समय तक इंतज़ार करने की क्षमा मुझे नहीं थी । इसलिए मैं अकेला दिल्ली गया । रास्ते में बहुत मुश्किलें हुईं । कलाम जी के नाम पर लिखी चिट्ठी मेरी जेब में थी । वह कलाम जी के हाथ में दी । कलाम जी के साथ खडे होकर एक फोटो भी लिया । यह अनुभव वर्णनातीत है । अब मैं दिल्ली में हूँ ।

तुम्हारी माताजी और पिताजी को मेरा प्रणाम । छोटे भाई को मेरा प्यार । तुम्हारी जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

23. रणविजय को स्कूल में भाषण देने को कहने पर रणविजय और कलाम के बीच हुए संभावित वार्तालाप

कलाम - अरे कुँवर, तुझे चोट कैसे लगी ?
रणविजय - घबराइए मत, खेल कूद में चोट लग जाती है । ऊपर आइए ।
कलाम - हड्डी तो टूट गयी ?
रणविजय - नहीं, ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया ।
कलाम - समझा नहीं...
रणविजय - कल हिंदी भाषण प्रतियोगिता है, लिखूँगा कैसे ?
कलाम - तू बोल यार ... मैं लिख दूँगा।
रणविजय - काश ! आप रुक पाते ...
कलाम - फिक्र मत कर ... मैं लिख दूँगा । मेरी हिंदी तुमसे बढकर अच्छी होती ... है न ?
रणविजय - वह तो है ।
कलाम - तो ठीक है । भाई लिखेगा ... तू बोलना ।

24. पटकथा (स्कूल में भाषण प्रतियोगिता)

स्थान - घर के अंदर ।
समय - शाम 5 बजे ।
पात्र - 1. रणविजय, 10 साल का लडका, कुर्ता और आधा पतलून पहना है ।
2. कलाम, 10 साल का लडका, कुर्ता और आधा पतलून पहना है ।
घटना का विवरण - रणविजय के चेहरे पर उदास देखकर कलाम उससे कारण पूछता है । रणविजय उसका जवाब देने लगता है ।

संवाद –

कलाम - अरे कुँवर, तुझे चोट कैसे लगी ?
रणविजय - घबराइए मत, खेल-कूद में चोट तो लग जाती है । ऊपर आइए ।
कलाम - हड्डी भी टूट गयी ?

SREEJITH P. KOVOOR VARKALA. SCRIBS ph 9567224545

रणविजय - हड्डी नहीं, ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया ।
कलाम - समझा नहीं । लगता है तुमको कोई परेशानी है ।
रणविजय - हाँ यार । कल स्कूल में एक भाषण देना है ।
कलाम - उसमें परेशानी की बात है ?
रणविजय - भाषण हिंदी में है ।
कलाम - तो क्या ?
रणविजय - मेरी हिंदी इतनी अच्छी नहीं, लिखूँगा कैसे ?
कलाम - फिकर मत करो । मेरी हिंदी तुमसे बढकर अच्छी है न ? मैं लिख दूँगा, तुम प्रस्तुत करो ।
रणविजय - तो मैं उसे अच्छी तरह प्रस्तुत करूगा ।
कलाम - आज ही लिख दूँगा । तुम ज़रूर ट्रॉफी जीतोगे ।
रणविजय - ठीक है यार । जल्दी आओ ।
(कलाम दोस्त केलिए भाषण तैयार करने केलिए अपना घर जाता है ।)

6. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1. घुड सवारी सीखने और पेड पर चढना सिखाने के लेन देन से – स्कूल में भाषण देने को कहता है ।
रणविजय परेशान हो जाता है – कलाम और रणविजय के बीच दोस्ती होती है ।
कलाम भाषण लिखकर देता है – चोरी के आरोप पर कलाम दिल्ली जाता है ।
रणविजय स्कूल से ट्रॉफी जीतकर आता है - रणविजय प्रथम पुरस्कार पाता है ।

2. कलाम का सपना था – दिल्ली पहुँचता है और अपनी पसंद के स्कूल जाता है ।
राणा सा के कारिंदे – अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोडता .
झूठे आरोप के सामने भी कलाम – कलाम पर चोरी का आरोप लगाते हैं ।
फिल्म के अंत में कलाम – स्कूल जाना और राष्ट्रपति कलाम जैसा बनना ।

<u>व्याकरण अंश</u>

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. मुलाकात होती रहती है । मिलन होता रहता है ।
चार्ज लगायी जाती है । आरोप ---------------------।

2. प्रतिज्ञा तोडनी होगी । प्रण तोडना होगा ।
सज़ा मिलनी होगी । दंड --------------- ।

3. मंज़िल तक पहुँचनी थी । लक्ष्य तक -----------।

2 . कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. मैं दिल्ली जाकर कलाम से --------------। (मिलेगा, मिलेंगे, मिलूँगा, मिलोगे)
2. अपनी मंजिल -------------------------- । (मिल गया है, मिल गये हैं, मिल गयी है, मिल गयी हैं)

3. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. कलाम की चिट्ठी राष्ट्रपति तक पहुँचेगा ।
कलाम की चिट्ठी राष्ट्रपति तक पहुँचेगी ।
कलाम की चिट्ठी राष्ट्रपति तक पहुँचोगे ।
कलाम की चिट्ठी राष्ट्रपति तक पहुँचूँगी ।

2. मंज़िल प्राप्त करता है ।
मंज़िल प्राप्त करते हैं ।
मंज़िल प्राप्त करती है ।
मंज़िल प्राप्त करती हैं ।

4. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. छोटू खुद देगा । (दिल्ली जाकर, कलाम को)
छोटू अपनी चिट्ठी खुद देगा ।
----------------।
----------------।

2. सपना साकार होता है । (कलाम का, फिल्म के)
अंत में सपना साकार होता है ।
---------------- ।
---------------- ।

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRT45, M.9567224545

5. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. कलाम पर चोरी का <u>आरोप</u> लगाया जाता है।   (चार्ज)
2. कलाम को अपनी <u>मंज़िल</u> मिलती है।   (लक्ष्य)

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCR145 ph 9567224545